मेवाड़ में ज्योतिष विज्ञान पर विचार संगोष्ठी आयोजित
जीवन में कर्म को फलीभूत करता है ज्योतिष-आचार्य सागर
-ज्योतिषियों ने ही किया ज्योतिष विज्ञान का दुरुपयोग-डाॅ. अलका

गाजियाबाद। सुप्रसिद्ध ज्योतिष विशेषज्ञ आचार्य सागर जी ने कहा कि जीवन में कर्म को ज्योतिष विज्ञान केवल फलीभूत करता है। इसलिए लोगों खासकर विद्यार्थियों को अपने कर्म को प्राथमिकता देनी चाहिये। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप आॅफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में आयोजित मासिक विचार संगोष्ठी में उन्होंने ये विचार बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किये। वह 'ज्योतिष का जीवन में महत्व' विषय पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि ज्योतिष एक दैवीय विद्या है। बच्चे के पैदा होने के समय से लेकर उसकी मृत्यु तक के सभी ग्रह, नक्षत्र, लग्न, भाव आदि ज्योतिष विज्ञान बता देता है। बशर्ते ज्योतिषि अपने स्वार्थ से परे हटकर इसकी सही गणना करे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में ज्योतिष पर लोगों का विश्वास अधिक गहरा हुआ है। इसका कारण लोगों का कर्म के बजाय अपने भाग्य पर ज्यादा ध्यान देना भी है। उन्होंने कहा कि समय व नक्षत्रों के आधार पर महिलाओं की डिलीवरी कराने का कर्मकांड बंद होना चाहिये। यह अनेक बीमारियों को न्यौता देता है। अनेेक उदाहरणों से उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट किया। उन्होंने नौ ग्रहों के बारे में विस्तार से लोगों को बताया और उनकी चाल व परिणामों पर भी प्रकाश डाला।

मेवाड़ ग्रुप आॅफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डाॅ. अलका अग्रवाल ने कहा कि ज्योतिष विज्ञान का जीवन में अपना अलग महत्व है। ग्रहों की चाल व नक्षत्रों की गणना के आधार पर कुंडली बना देने की कला बहुत रोचक विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों व लोगों से कहा कि वे अपने कर्मों को प्राथमिकता दें। आजकल अनेक ज्योतिषि लोगों को भ्रमित कर अपनी दुकानें सजाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि ज्योतिष विज्ञान बहुत अच्छा है अगर ज्योतिषि भी अच्छा हो। उन्होंने कहा कि लोग ज्योतिष विद्या का उतना ही सहारा लें जितना आवश्वक हो। कर्म, प्रारब्ध, उपाय, भाग्य आदि बदलने की सामथ्र्य किसी ज्योतिषि के पास नहीं होती। वह केवल अपने गणित से ग्रहों व नक्षत्रों का प्राभाव कम या ज्यादा कर सकता है। विचार संगोष्ठी में अतर्रा विश्वविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डाॅ. विशनलाल गौड़ व्योमशेखर, पूर्व रक्षाधिकारी डाॅ. सत्यदेव राय आदि ने भी इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। इससे पूर्व डाॅ. अलका अग्रवाल ने संस्थान की ओर से आचार्य सागर जी को शाॅल व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। विचार संगोष्ठी में बहुत सारे लोगों ने विभिन्न प्रश्नों के जरिये सागर जी से अपनी जिज्ञासा को शांत किया। इस दौरान मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस के विभिन्न विभागों के शिक्षक-शिक्षिकाएं व भारी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे। संगोष्ठी का सफल संचालन अमित पाराशर ने किया।

HITACHI
COMPUTER IN 2
Searching...
डॉ. अलका अग्रवाल

HITACHI
Searching...
डॉ. अलका अग्रवाल

MEWAR
INSTITUTE

विचार संगोष्ठी
MEWAR